अलवर जिले में सड़क दुर्घटनाओं का क्षेत्रीय अध्ययन

*कृष्ण ओला

शोध सारांश

अलवर जिले मे सडके परिवहन का प्रमुख साधन है। सडक मार्ग के माध्यम से ही अलवर जिला मुख्यालय दिल्ली व जयपुर से जुडा हुआ है। अध्ययन क्षेत्र के प्रमुख तहसील, पंचायत समिति, गाँव, औद्योगिक क्षेत्र भी सडक मार्ग के माध्यम से ही आपस में जुडे है। अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत आंकडों के विश्लेषण से पता चलता है कि जिले में वर्ष 2015 में कुल सड़क दुर्घटनायें 1367 दर्ज हुयी एवं इन सड़क दुर्घटनाओं में से 802 सडक दुर्घटनायें साधारण सड़क दुर्घटनाओं की श्रेणी में अंकित है व 565 सड़क दुर्घटनायें गम्भीर सड़क दुर्घटनाओ की श्रेणी में है। वर्ष 2015 में सड़क दुर्घटनाओं के परिणाम स्वरूप अलवर जिले में 600 व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त हो गये जबकि 938 व्यक्ति इन दुर्घटनाओं के कारण घायल हुये। वर्ष 2015 में जिले में कुल 1538 व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं से पूर्ण रूप से या आशिंक रूप से प्रभावित हुये है। अलवर जिले का सडक दुर्घटना गम्भीरता सूचकांक 41.64 है।

मुख्य शब्द – सड़क दुर्घटनायें, घायल, मृत्यु ।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय

अरावली की पहाड़ियों के बीच में स्थित अलवर जिले का अपना पृथक ऐतिहासिक महत्त्व एवं गौरव है। राजस्थान के सिंह द्वार के नाम से प्रसिद्ध अलवर का इतिहास महाभारत काल से भी पुराना है। अलवर जिला राजस्थान राज्य के उत्तरी पूर्वी भाग में स्थित है। ''राजस्थान का सिंह द्वार'' के नाम से प्रसिद्ध अलवर की स्थापना कच्छवाहा वंश के राव राजा प्रतापसिंह द्वारा की गई। अलवर जिला राजस्थान राज्य के उत्तरी पूर्वी भाग में $27^0\ 4'$ से $28^0\ 4'$ उतरी अक्षांश और $76^0\ 7'$ से $77^0\ 13'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। उत्तर से दक्षिण में करीब 137 किमी. की लम्बाई व पूर्व से पश्चिम में 110 कि.मी. में फैले अलवर जिले का क्षेत्रफल 8380 वर्ग किमी. है।

उद्देश्य :

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन में निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं।

1. अध्ययन क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओ का अध्ययन करना।

2. अध्ययन क्षेत्र में पुलिस थाना क्षेत्रों के अनुसार दुर्घटनाओ के स्वरूप को जानना।

शोध –परिकल्पनाएँ :– लघु शोध कार्य में अध्ययन हेतु निम्न परिकल्पना अभिगृहीत की गयी है।

- अधिक यातायात प्रवाह वाले क्षेत्रों मे अधिक सडक दुर्घटनाये घटित होती है।

शोध– विश्लेषण :–

जिले में वर्ष 2015 के अन्तर्गत पुलिस थानों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओ के आंकडों का विवरण दिया गया है। वर्ष

2015 में गम्भीर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 565 व मृतको की संख्या 600 है। वर्ष 2015 में अलवर जिले में कुल 38 पुलिस थाने है। इन 38 पुलिस थानों के अन्तर्गत कुल सड़क दुर्घटनाओं के दर्ज आँकडों के आधार पर इन पुलिस थानों को पाँच वर्गों में विभक्त किया गया है।

1. कुल सड़क दुर्घटनाये (01–20) – 10 पुलिस थाने
2. कुल सड़क दुर्घटनाये (21–40) – 15 पुलिस थाने
3. कुल सड़क दुर्घटनाये (41–60) – 06 पुलिस थाने
4. कुल सड़क दुर्घटनाये (61–80) – 03 पुलिस थाने
5. कुल सड़क दुर्घटनाये (81–100 या अधिक) – 03 पुलिस थाने

आरेख – 1

अलवर जिला : सड़क दुर्घटनाये (वर्ष–2015)

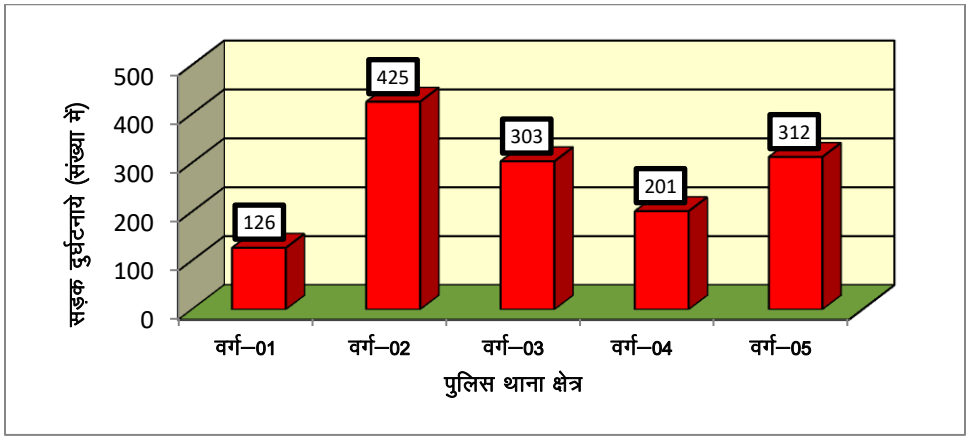

स्त्रोत– पुलिस मुख्यालय, जिला अलवर, वर्ष–2017

1. वर्ग–01 कुल सड़क दुर्घटना (01–20)

इस वर्ग के अन्तर्गत शिवाजी पार्क, भिवाडी फेज–III, गोविन्दगढ़, नौगावा, चौपानकी, प्रतापगढ़, रैणी, माढण, खेडली, टहला पुलिस थाने आते है। इस वर्ग के पुलिस थानों के अन्तर्गत एक वर्ष की समय अवधि के दौरान कम से कम 01 व अधिकतम 20 सड़क दुर्घटनायें दर्ज होती है। इस वर्ग के अन्तर्गत 10 से अधिक सड़क दुर्घटना वाले पुलिस थानों में शिवाजी पार्क, भिवाडी फेज–III, रैणी, खेडली, टहला माढण है। जबकि इस वर्ग में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनायें माढण पुलिस थाने के अन्तर्गत हुई है। इस वर्ग के अन्तर्गत वो पुलिस थाना क्षेत्र सम्मिलित है जहां सड़क दुर्घटनाओं की प्रवृति अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत सबसे कम पायी जाती है। इस प्रकार

की स्थिति को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। इस वर्ग में दुर्घटनाओं के पश्चात होने वाली मृत्यु के दर्ज आँकडों के अनुसार अधिकतम मृत्यु दर वाले पुलिस थानों में भिवाडी फैज–III, पुलिस थाना (10 व्यक्ति) रैणी (07 व्यक्ति), माढण 09 व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त हुये है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण घायल होने वाले व्यक्तियों की संख्या के आधार पर रैणी, शिवाजी पार्क, माढण, खेडली, टहला पुलिस थाना क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्रों की श्रेणी में आते है।

इस वर्ग के अन्तर्गत सम्मिलित 10 थानों क्षेत्रों में औसत सड़क दुर्घटनाये एक वर्ष में 12.6 होती है जिसमें औसत मृत्यु 06 व्यक्ति व घायल होने वाले व्यक्तियों का औसत 8.2 है।

इस श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित पुलिस थानों में औसत सड़क दुर्घटनाओं से अधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों मे भिवाडी फैज–III, रैणी, शिवाजी पार्क, माढण, खेडली व टहला प्रमुख है व औसत मृत्यु दर से अधिक मृत्यु दर वाले थाना क्षेत्रों में भिवाडी फैज–III, रैणी, माढण, खेडली, टहला सम्मिलित है।

2. वर्ग – 02 कुल सड़क दुर्घटना (21–40)

इस वर्ग के अन्तर्गत सर्वाधिक 15 पुलिस थाना क्षेत्र व सर्वाधिक क्षेत्रफल सम्मिलित है। इस वर्ग में सम्मिलित थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत एक वर्ष में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 21 से 40 के बीच दर्ज होती है। इस वर्ग में कोतवाली थाना क्षेत्र, भिवाडी, खैरथल, टपुकड़ा, थानागाजी, बडौदामेव, नारायणपुर, हरसौरा, कोटकासिम, मुण्डावर, खुशखेड़ा, कठुमर, रामगढ़, शाहजहांपुर, लक्ष्मनगढ थाना क्षेत्र सम्मिलित है इस वर्ग के अन्तर्गत वर्ष 2015 में कुल 425 सड़क दुर्घटनाये दर्ज हुयी जिनमें 177 व्यक्तियों की मृत्यु व 302 व्यक्ति घायल हो गये। वर्ग 02 का कुल सड़क दुर्घटनाओं का औसत 28.33 मृतकों की संख्या का औसत 11.8 व घायलों की संख्या का औसत 20.13 व्यक्ति है।

इस वर्ग के अन्तर्गत कुल सड़क दुर्घटनाओं के औसत 28.33 से अधिक सड़क दुर्घटनाओं वाले थाना क्षेत्रों मे लक्ष्मनगढ़, शाहजहांपुर, टपुकड़ा, भिवाडी, खुशखेड़ा, रामगढ़, खैरथल, कोटकासिम थाना क्षेत्र प्रमुख है। घायलों की संख्या के औसत 20.13 से अधिक घायलों की संख्या वाले क्षेत्रों में रामगढ़, लक्ष्मनगढ़, भिवाडी, शाहजहांपुर, कोतवाली, कठुमर, नारायणपुर क्षेत्र सम्मिलित है।

वर्ष 2015 में वर्ग 02 में कुल सड़क दुर्घटनाओं में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाओं लक्ष्मनगढ़ थाना क्षेत्र में व मृतकों की सर्वाधिक संख्या टपूकड़ा थाना क्षेत्र में तथा घायलों की सर्वाधिक संख्या रामगढ़ थाना क्षेत्र में दर्ज की गई। इस वर्ग के अन्तर्गत सम्मिलित थाना क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति में सुधार हेतु प्रयास आवश्यक है अन्यथा ये क्षेत्र धीरे–धीरे गम्भीर दुर्घटना क्षेत्रों की श्रेणी में सम्मिलित हो जायेगें।

3. वर्ग – 03 कुल दुर्घटनाओं (41–60)

वर्ग – 03 के अन्तर्गत अलवर जिले के 06 थाना क्षेत्र सम्मिलित है। इस वर्ग में ततारपुर, एन.ई.बी., अरावली विहार, नीमराणा, किशनगढ़, राजगढ़ थाना क्षेत्र सम्मिलित है। इनमें नीमराना क्षेत्र विश्वस्तर का औद्योगिक क्षेत्र है जो राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिल्ली व जयपुर के बीच स्थित है। इस वर्ग में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु का सर्वाधिक आंकडा नीमराना क्षेत्र का है। नीमराणा में वर्ष 2015 में कुल सड़क दुर्घटनायें 54 दर्ज हुयी जिनके परिणामस्वरूप 32 व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा 30 व्यक्ति घायल हो गये। वर्ग में कुल सड़क दुर्घटनाओं का औसत 50.5 व्यक्ति, मृतकों की संख्या का औसत 24.33 व्यक्ति व घायल होने वाले व्यक्तियों का औसत 31.66 व्यक्ति है।

इस वर्ग के अन्तर्गत शहरीकृत क्षेत्र का यातायात सम्मिलत क्षेत्र सम्मिलित है। कुल सड़क दुर्घटनाओं (2015) के वर्ग औसत से अधिक कुल सड़क दुर्घटना वाले क्षेत्रों में राजगढ़, नीमराना, अरावती विहार, किशनगढ़ है। इनमें राजगढ़ क्षेत्र में सर्वाधिक कुल सड़क दुर्घटनायें दर्ज हुयी है। वर्ष 2015 में मृतकों की संख्या के अनुसार नीमराना, किशनगढ़, ततारपुर थाना क्षेत्र का आंकड़ा औसत से अधिक है। ये तीनों क्षेत्र अलवर जिले के उत्तरी भाग में स्थित है। घायलों की संख्या के अनुसार औसत से अधिक घायलों की सख्या वाले क्षेत्रों में अरावली विहार, राजगढ़, ततारपुर के क्षेत्र आते है। कुल सड़क दुर्घटनाओं की संख्या के अनुसार ततारपुर थाना क्षेत्र का मान वर्ग औसत से कम है। लेकिन मृतकों की संख्या व घायलों की संख्या के अनुसार यह क्षेत्र सड़क दुर्घटना से होने वाली क्षति वाले प्रमुख क्षेत्रों में सम्मिलित हो जाता है। इस वर्ग का प्रति 100 सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली क्षति के अनुसार गम्भीरता सूचंकाक 48.18 है तथा सर्वाधिक गम्भीरता सूचंकाक वाला क्षेत्र नीमराना थाना क्षेत्र है जो कि औद्योगिक रूप से विकसित तथा नेशनल हाईवे से सम्बद्ध नगर है।

इस क्षेत्र का गम्भीरता सूचकांक का मान 48.18 है जो कि सम्पूर्ण जिले के गम्भीरता सूचकांक 41.64 से अधिक है। इस वर्ग में सम्मिलित क्षेत्र यातायात सम्मिलित के क्षेत्रों में विकसित हुये है जिस कारण यहाँ यातायात दबाव की स्थिति निर्मित होती है जो कि यातायात नियमों की अवेहलना के कारण सड़क पर दुर्घटनाओं में परिवर्तित हो जाती है। इस वर्ग में सम्मिलित क्षेत्र अति गम्भीर स्तर पर ना पहुचे इसके लिए इन क्षेत्रों में आवश्यक उपाय करना जरूरी है।

4. **वर्ग – 04 कुल सड़क दुर्घटनाये (61–80) –**

इस वर्ग के अन्तर्गत कुल तीन पुलिस थाना क्षेत्र मालाखेड़ा, तिजारा, एम.आई.ए. सम्मिलित है। इन क्षेत्रों में कुल सड़क दुर्घटनाओं का वर्ष 2015 में स्तर 61 से 80 के बीच रहा है। वर्ष 2015 में होने वाली कुल सड़क दुर्घनाओं का औसत 67 है। जबकि मृतकों का औसत 31 व घायलों का औसत 45.33 दर्ज है। इस वर्ग में सम्मिलित थाना क्षेत्रों में वर्ष 2015 में कुल 201 सड़क दुर्घटनायें घटित हुयी जिसके परिणामस्वरूप 93 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा 136 व्यक्ति घायल हुये। अर्थात वर्ष 2015 में इन क्षेत्रों में 201 सड़क दुर्घटनाओं के कारण 229 व्यक्तियों को पूर्ण या आंशिक रूप में प्रभावित किया। इन 229 व्यक्तियों के साथ–साथ इनके आश्रित पारिवारिक सदस्यों की संख्या को सम्मिलित किया जाये तो आंकडा बहुत तेजी से वृद्धि करेगा। सड़क दुर्घटना के फलस्वरूप दुर्घटना पीडित व्यक्ति के साथ–साथ उसके परिवार पर भी अनावश्यक रूप से आर्थिक मनोवैज्ञानिक कष्ट की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस वर्ग के अन्तर्गत वर्ष 2015 में कुल सड़क दुर्घटनाओं के अनुसार एम.आई.ए. थाना क्षेत्र में सर्वाधिक 70 सड़क दुर्घटनाये दर्ज की गयी है। एम.आई.ए. थाना क्षेत्र अलवर जिले के मुख्य नगरीय क्षेत्र में स्थित एक औद्योगिक क्षेत्र है। जिसके चारों और नगरीय विस्तार के परिणाम स्वरूप आबादी क्षेत्रों का प्रसार हो गया है। मृतकों की सर्वाधिक संख्या मालाखेडा थाना क्षेत्र में 39 व्यक्ति दर्ज है। मालाखेडा पुराना कस्बा है जो वर्तमान में स्टेट हाइवे से सम्बद्ध क्षेत्र है। एम.आई.ए. थाना क्षेत्र में घायलों की सर्वाधिक संख्या 55 व्यक्ति है। इस वर्ग में सम्मिलित थाना क्षेत्रों का गम्भीरता सूचंकाक 46.26 है इस वर्ग के अन्तर्गत सम्मिलित क्षेत्रों में कुल सड़क दुर्घटनाओं की सख्या के अनुसार क्षेत्र गम्भीर स्थिति में है लेकिन मृतकों की संख्या के अनुसार ये क्षेत्र मध्यम स्तर में सम्मिलित पाये जाते है। वर्ग – 04 में सम्मिलित क्षेत्रों में यातायात जक्शंन क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना आवश्यक है। इन क्षेत्रों में स्टेट हाइवे व नेशनल हाइवे के साथ–साथ नगरीय बस्ती का यातायात भी सम्मिलित रहता है। जिसके परिणाम स्वरूप कुल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हो जाती है। इसलिए इन क्षेत्रों में आवश्यक जागरूकता को बढाया दिया जाना चाहिए।

5. **वर्ग–05 कुल सड़क दुर्घटनायें (81–100 या अधिक) –**

इस वर्ग के अन्तर्गत बानसूर, सदर थाना अलवर व बहरोड थाना क्षेत्रों के भाग सम्मिलित है। वर्ष 2015 के वर्गीकृत आंकडों के आधार पर कहा जा सकता है। कि इन थाना क्षेत्रो में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाओं की घटनायें घटित होती है। इन थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत एक वर्ष में 81 से 100 या 100 से भी अधिक सड़क दुर्घटनाये हुई है। इस वर्ग में सम्मिलित क्षेत्रों में वर्ष 2015 में कुल 312 सड़क दुर्घटनायें दर्ज हुयी एवं मृतकों की कुल संख्या 124 व्यक्ति तथा 228 व्यक्ति घायल हो गये। इस वर्ग में सम्मिलित थाना क्षेत्रों का कुल सड़क दुर्घटनाओं का औसत 104 तथा मृतकों की संख्या का औसत 41.33 घायलों का औसत 76 व्यक्ति पाया गया है।

वर्ष 2015 में बहरोड़ थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कुल सड़क दुर्घटनायें 126 सर्वाधिक सड़क दुर्घटनायें दर्ज है। जबकि कुल 126 सड़क दुर्घटनाओं के बावजुद मृतकों की संख्या 43 व घायलों की संख्या 99 हैं। बहरोड थाना क्षेत्र नेशनल हाइवे संख्या 08(48) व स्टेट हाइवे संख्या 14 के जक्शन प्वाइट के चारों और बसा हुआ है। यह क्षेत्र भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में एक है तथा हरियाणा व दिल्ली का सीमावर्ती क्षेत्र होने कारण यहाँ भारी यातायात दबाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जो दुर्घटनाओं का कारण बनती है। सदर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत वर्ष 2015 में कुल 100 सड़क दुर्घटनायें दर्ज है जिनमें 55 व्यक्तियों की मृत्यु हुई व 68 व्यक्ति घायल हो गये। मृतकों की संख्या के आधार पर सदर थाना क्षेत्र सर्वाधिक सवेंदनशील है। जबकि कुल सड़क दुर्घटनाओं की आवृति के आधार पर बहरोड़ थाना क्षेत्र अति उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है। इनके अतिरिक्त वर्ष 2015 में बानसूर में कुल 86 सड़क दुर्घटनायें दर्ज हुयी जिसके कारण 26 व्यक्तियों की मृत्यु व 61 व्यक्ति घायल हो गये।

इस वर्ग में सम्मिलित थाना क्षेत्रों के आंकडों के विश्लेषण के आधार पर पता चलता है कि यह क्षेत्र कुल सड़क दुर्घटनाओं के दर्ज आंकडों के अनुसार उच्च दुर्घटना सम्भावित क्षेत्र है। इस वर्ग के क्षेत्रों का गम्भीरता सूचंकाक 39.74 है जो कि अलवर जिले के गम्भीरता सूचंकाक 43.89 से (–4.14) कम है। उच्च सड़क दुर्घटना आवृति क्षेत्र होने के बावजूद भी इन क्षेत्रों में यातायात नियमों की सख्ती से पालना व जागरूकता को बढावा देकर इस स्थिति को नियन्त्रित किया जा सकता है।

सारांश :–

जिलें मे 38 पुलिस थानों के अन्तर्गत कुल सड़क दुर्घटनाओं के दर्ज आँकडों के आधार पर पुलिस थाना क्षेत्रों को अध्ययन हेतु पाँच वर्गों में विभक्त किया है। वर्ग–01 के अन्तर्गत 10 से अधिक सड़क दुर्घटना वाले पुलिस थानों में शिवाजी पार्क, भिवाडी फेज–III, रैणी, खेडली, टहला माढण है। इस वर्ग में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनायें माढण पुलिस थाने के अन्तर्गत हुई है। माढण थाना क्षेत्र जिले के उत्तरी भाग में हरियाणा राज्य का सीमावर्ती क्षेत्र है । इस वर्ग के अन्तर्गत कुल सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति के अनुसार माढण (19) मृतकों की संख्या के अनुसार भिवाडी फैज–III व घायलों की संख्या के अनुसार शिवाजी पार्क व रैणी पुलिस थाना क्षेत्र सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली सर्वाधिक हानि वाले क्षेत्र है। इन थाना क्षेत्रों में से भिवाडी फैज–III, एक औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्र है तथा उत्तर भारत के विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में एक भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र का भाग है। रैणी क्षेत्र जिले के दक्षिण में स्थित क्षेत्र है व शिवाजी पार्क, अलवर जिला मुख्यालय या मुख्य शहर का उत्तरी भाग है जहाँ शहर के प्रसार की प्रवृति विघमान है। इस वर्ग के अन्तर्गत कुल 10 पुलिस थाना क्षेत्र सम्मिलित है।

वर्ग–02 के अन्तर्गत सर्वाधिक 15 पुलिस थाना क्षेत्र सम्मिलित है। ये सभी क्षेत्र अलवर जिले के मुख्य शहरीकृत

क्षेत्रों के साथ–साथ यातायात जक्शन व औद्योगिक दृष्टि से सम्पन्न क्षेत्रों में सम्मिलित है। इस वर्ग के क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं की प्रवृति को नियन्त्रित करके उसे गम्भीर स्थिति में जाने से रोका जा सकता है। इन क्षेत्रों का गम्भीरता सूचंकाक (41.64) सम्पूर्ण जिले के गम्भीरता सूचंकांक (43.89) से कम है।

वर्ग–03 के अन्तर्गत शहरीकृत क्षेत्र के यातायात सम्मिलत क्षेत्र सम्मिलित है। वर्ग 03 के अन्तर्गत अलवर जिले के 06 थाना क्षेत्र ततारपुर, एन.ई.बी., अरावली विहार, नीमराणा, किशनगढ़, राजगढ़ सम्मिलित है। इन थाना क्षेत्रों में वर्ष 2015 के अन्तर्गत कुल सड़क दुर्घटनाये 41 से 60 के बीच दर्ज हुई है। इनमें राजगढ़ क्षेत्र में सर्वाधिक कुल सड़क दुर्घटनायें दर्ज हुयी है। वर्ष 2015 में मृतकों की संख्या के अनुसार नीमराना, किशनगढ़, ततारपुर थाना क्षेत्रों मे मृतकों की संख्या औसत से अधिक है। ये तीनों क्षेत्र अलवर जिले के उत्तरी भाग में स्थित है। नीमराना थाना क्षेत्र सर्वाधिक गम्भीरता सूचंकाक वाला क्षेत्र है जो कि औद्योगिक रूप से विकसित तथा नेशनल हाईवे से सम्बद्ध क्षेत्र है। इस वर्ग के अन्तर्गत सम्मिलित क्षेत्रो में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मानवीय क्षति को कम करने हेतु प्रयास करना जरूरी है।

वर्ग – 04 के अन्तर्गत कुल तीन पुलिस थाना क्षेत्र मालाखेड़ा, तिजारा, एम.आई.ए. सम्मिलित है। इन क्षेत्रों में कुल सड़क दुर्घटनाओं का वर्ष 2015 में स्तर 61 से 80 के बीच रहा है। वर्ष 2015 में होने वाली कुल सड़क दुर्घनाओं का औसत 67 है। इस वर्ग में सम्मिलित थाना क्षेत्रों का गम्भीरता सूचंकाक 46.26 है। इस वर्ग के अन्तर्गत एम.आई.ए. थाना क्षेत्र में सर्वाधिक 70 सड़क दुर्घटनाये दर्ज की गयी है। एम.आई.ए. थाना क्षेत्र अलवर जिले के मुख्य नगरीय क्षेत्र में स्थित एक औद्योगिक क्षेत्र है।

वर्ग – 05 के अन्तर्गत बानसूर, सदर थाना अलवर व बहरोड थाना क्षेत्रों के भाग सम्मिलित है। इन थाना क्षेत्रो में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाओं की घटनायें घटित होती है। इन थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत एक वर्ष में 81 से 100 या 100 से भी अधिक सड़क दुर्घटनाये हुई है। इस वर्ग में सम्मिलित क्षेत्रों में वर्ष 2015 में कुल 312 सड़क दुर्घटनायें दर्ज हुयी एवं मृतकों की कुल संख्या 124 व्यक्ति तथा 228 व्यक्ति घायल हो गये। इस वर्ग में सम्मिलित थाना क्षेत्रों का कुल सड़क दुर्घटनाओं का औसत 104 तथा मृतकों की संख्या का औसत 41.33 व्यक्ति, घायलों का औसत 76 व्यक्ति पाया गया है।

सडक हादसों मे दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों के साथ–साथ इनके आश्रित पारिवारिक सदस्यों की संख्या को सम्मिलित किया जाये तो आंकडा बहुत तेजी से वृद्धि करेगा। सड़क दुर्घटना के फलस्वरूप दुर्घटना पीडित व्यक्ति के साथ–साथ उसके परिवार को अनावश्यक रूप से आर्थिक, मनोवैज्ञानिक पीडा का सामना करना पडता है।

***शोधार्थी**
भूगोल विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय (राज.)

सन्दर्भ सूची :–

1. Statistical abstract, transport department – 2016-17.
2. Gupta, Ashish, Causes of Road Accidents (A case study of NH-8 between Jaipur- Kishangarh 2003).
3. Gera, Deepak - Accident Analysis on NH-11 beetween Jaipur and Bassi, 2002.

4. Presentation on Road Safety in China and Jiangzi presented by Dr. V. Setfy Pendakur at the International Seminar on Road Sofety, November 26 --28, 2002.
5. Mohan D. Road Traffic deaths and in juries in India: Time for action. Not I India 2004; 17: 63 -66.
6. Singh Harnam and Dhattarwal S.K. Pattern and distribution of injuries in fatal road traffic accidents in Rohtak (Haryana) 2004; 26: 20 - 23.
7. Srivastava AK and gupta R.K. a Study of fatal road accidents in Kanpur J. Ind. Acad Foren Med. 1989.
8. मीणा. बी. आर. (1990) राजस्थान रेल जाल विकास का विश्लेषण
9. Puniya, Padama, Road Development Imopt Om Socia- Economic Environment (A case study on Meham Ara Haryana) Ph.D. Thesis U.O. Raj. Jaipur 2008.
10. जाट, बी. एल. ने परिवहन तन्त्र का जनसंख्या और अधिवासों पर प्रभाव का अध्ययन (जयपुर जिले के विशेष संदर्भ में) शोध ग्रन्थ, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, 2010
11. पुलिस मुख्यालय, जिला अलवर, वर्ष–2017